



वन उत्पादकता संस्थान



(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)



झारखंड वन विभाग के वनरक्षियों का एक सप्ताह का अनिवार्य प्रशिक्षण

दिनांक

21.11.2022 से 25.11.2022



वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा झारखंड वन विभाग के वनरक्षियों के लिए एक सप्ताह (21.11.2022 से 25.11.2022 तक) का अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 73 वनरक्षियों ने भाग लिया।



कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के समूह समन्वयक अनुसंधान डा. योगेश्वर मिश्रा की उपस्थिति में उप-वन संरक्षक श्रीमती अंजना सुचिता तिकी, भा.व.से. के द्वारा प्रतिभागियों के परिचय से किया गया। श्रीमती तिकी ने वन कर्मियों का स्वागत करते हुए संस्थान एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून का परिचय दिया एवं संस्थान द्वारा संचालित अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों को विस्तार से बताया।

दिनांक 21.11.2022 को डा. योगेश्वर मिश्रा वैज्ञानिक जी एवं समूह समन्वयक अनुसंधान ने बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण देते हुए बांस के प्रकार, भारत के बांस, झारखंड के बांस, बांस प्रवर्धन तकनीक, Microproliferation कटिंग द्वारा प्रवर्धन, नोड कटिंग प्रवर्धन बांस पौधशाला आदि को बताया। श्री रवि शंकर प्रसाद, श्री बी.डी. पंडित एवं श्री सूरज कुमार ने बांस वाटिका, बांस पौधशाला एवं औस उपवन के गतिविधियों को प्रायोगिक रूप से समझाया।

दिनांक 22.11.2022 को श्री संजीव कुमार, वैज्ञानिक-ई द्वारा प्रतिनियुक्त सुश्री उमा आमारा ने अकाष्ठ वनोत्पाद का महत्व, भारतीय वनों में अकाष्ठ वनोत्पादों का अस्तित्व, जीविकोपार्जन में वनोत्पाद की भूमिका, वनोत्पाद एवं कुटीर उद्योग, वनोत्पाद का भारतीय सकल घरेलु उत्पाद (GDP) में योगदान आदि को बताया। डा. शरद तिवारी, वैज्ञानिक - जी ने GIS एवं Remote Sensing का वानिकी में अनुप्रयोग को समझाया। $E=mc^2$ के सिद्धांत को बताते हुए डाटा एकत्र करना, User System Software, Hardware, Point, Linear Geographic Information

आदि को विस्तार से समझाया। संस्थान के वैज्ञानिक डा. आदित्य कुमार ने अपने सहयोगी श्री हरेराम साहू के साथ कृषि वानिकी माडल, कृषि वानिकी का महत्व, कृषि वानिकी द्वारा वन-वर्धन, आण्विक जीव विज्ञान, DNA आदि को समझाया। द्वितीय पाली में डा. शंभुनाथ मिश्रासिन्हा, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने अपने सहयोगियों श्री सतीश कुमार एवं श्री राकेश कुमार सिन्हा के साथ मृदा जांच की विभिन्न गतिविधियों को समझाया।



झारखंड वन विभाग के वनरक्षियों का एक सप्ताह का अनिवार्य प्रशिक्षण



दिनांक 23.11.2022 को संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. योगेश्वर मिश्रा द्वारा Seed ball Technology की संक्षिप्त वर्णन के बाद उप-वन संरक्षक श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने वनों का महत्व, वनों से प्राप्त होने वाले अवयव एवं वन-संरक्षण के विभिन्न उपायों को बताया।

डा. अनिमेष सिन्हा, वैज्ञानिक-ई ने अपने सहयोगी सुश्री रुम कुमारी के साथ उत्तक संवर्धन तकनीक, मीडिया बनाना, उत्तक संवर्धन द्वारा पौधे तैयार करना, पौधों का क्लोन विकसित करना आदि को विस्तार से समझाया। श्री बी.डी.पंडित, तकनीकी अधिकारी ने लाह की खेती द्वारा आजीविका के विभिन्न आयामों को बताया। श्री अतनु सरकार ने उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला तथा श्री हरेराम साहू ने आण्विक जीव विज्ञान प्रयोगशाला की विभिन्न गतिविधियों को समझाया।

दिनांक 24.11.2022 को मांडर भ्रमण के क्रम में श्री पवन कुमार सिन्हा ने बांस प्रवर्धन के विभिन्न तकनीक, बांस पौधशाला एवं क्षेत्र पौधरोपण क बारे में बताया। श्री प्रशांत कुमार ने भी बांस फूल एवं बीज के विषय में बताया। श्री महेश कुमार ने बांस प्रवर्धन तकनीक को प्रायोगिक रूप में बताया जिसमे वनरक्षियों ने उत्साह से हाथ बढ़ाया।

दिनांक 25.11.2022 को श्री रवि शंकर प्रसाद, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने जंगली खाद फल के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि जंगली फल काफी पौष्टिक एवं फायदेमंद होते हैं। उप-वन संरक्षक श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने Water Issue and Forestry Intervention विषय पर प्रशिक्षण देते हुए Ecosystem Services, Pollination, Water availability, soil conservation, Cotskill mountain for drinking water, , underground water, water recharge आदि को विस्तार से समझाया। Loan period, average rainfall, success story को भी बताया। जैविक खाद, मैंग्रोव आदि को भी दिखाया गया।

सत्र के आखिर में प्रतिक्रिया पत्र प्राप्त किया गया तथा डा. योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक-जी एवं समूह समन्वयक अनुसंधान द्वारा समापन संबोधन में प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया एवं श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग का सराहनीय योगदान रहा।

आयोजित कार्यक्रम सम्मलेन की झलकियां



वन उत्पादकता संस्थान, रांची

